संचालनालय कृषि, छत्तीसगढ़, रायपुर

एवं

इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर

कृषि मौसम सलाह सेवाएँ

(Project sponsored by IMD, MoES, New Delhi)

http://www.igau.edu.in
http://www.igau.nic.in

0771-2442557

Patron: Dr. S.K. Patil, Vice Chancellor *Director of Research Services: Dr. S.S. Rao* *Prof. & Head(Agromet): Dr. G.K. Das*
Nodal Officer: Shri J.L. Chaudhary *Research Associate: Sanjay Bhelawe*

Advisory Committee: **Agrometeorology**- Dr.Harsh Vardhan Puranik, **Entomology**-Dr. Sanjay Sharma, **Horticulture**-Dr. G.L Sharma; Dr.G.D.Sahu **Plant Pathology**- Dr. N.Lakpale, Dr. H.K. Singh, **Veg. Science**-Dr. Dhananjay Sharma, **Agronomy** - Dr. H.L. Sonboir, **Animal Science** - Dr.(smt.) N. Kerketta, **FMP** – Er.S.V. Jogdand ,**SWE**-Er.V.M. Victor

वर्ष: 26, क्रमांक: 76 **दिनांक 22.09.2017**

विगत सप्ताह का मौसम :- लभांडी स्थित कृषि मौसम वेधशाला में दर्ज आंकड़ो के अनुसार विगत पाँच दिनो के दौरान 120.2 मी. मी. वर्षा दर्ज की गई है जो की सामान्य की तुलना में अधिक है, जून माह से अब तक 685.6 मि.मी वर्षा दर्ज की गई है जो की सामान्य की तुलना में कम है। सूर्य की तीव्र रोशनी की अवधि 0.0 से 7.0 घंटे के बीच दर्ज की गई। इस दौरान औसतन अधिकतम व न्यूनतम तापमान क्रमशः. 31.1 डि.से. (सामान्य से कम) तथा 24.6 डि.से. (सामान्य से अधिक) दर्ज किया गया है। इस दौरान हवा की औसत गति व वाष्पीकरण दर क्रमशः 4.3 कि.मी. प्रति घंटा व 2.9 मि.मी. प्रति दिन थी। प्रातः कालीन औसत आर्द्रता व मृदा का तापमान क्रमशः 95% व 26.6 डि॰से॰ दर्ज की गई जबकि यह दोपहर में यह क्रमशः 77% व 34.6 डि॰से॰ दर्ज की गई।

मौसमपूर्वानुमान:- भारत मौसम विज्ञान विभाग रायपुर द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान के अनुसार आने वाले दिनो में छत्तीसगढ़ के अधिकांश क्षेत्रों में मध्यम से घने बादल छाए रहने एवं हल्की वर्षा होने की संभावना हैं। इस दौरान हवा में 80-95 प्रतिशत नमी होने की संभावना है। मैदानी क्षेत्रों मे अधिकतम तापमान लगभग 30-33°C रहने की संभावना है एवं न्यूनतम तापमान 24 से 26°C के बीच दर्ज किए जाने की संभावना है। आने वाले दिनो में हवा दक्षिण-पश्चिम दिशा से चलने की संभावना है , तथा इसकी गति लगभग 0-7 किलो मीटर/घंटा रहने कि संभावना है।

क्षेत्राच्छादन:-संचालनालय कृषि, छत्तीसगढ़ रायपुर से प्राप्त साप्ताहिक प्रतिवेदन खरीफ 201 7 दिनांक 11/09/2017 के अनुसार प्रदेश में खरीफ फसलों की लगभग 98% बोवाई का कार्य हो चुका है। जिसका फसलवार विवरण निम्नानुसार है।

अनाज	क्षेत्रफल (000 हे.)	दलहनी	क्षेत्रफल (000 हे.)	तिलहनी	क्षेत्रफल (000 हे.)	अन्य	क्षेत्रफल (000 हे.)
धान बोता	2584.61	अरहर	137.72	मूँगफली	58.30	रेशेदार एवं अन्य फ़सलें	127.67
धान	3672.91	मूंग	23.54	तिल	32.69		
मक्का	226.40	उड़द	161.66	सोयाबीन	131.54		
ज्वार	77.91	कुल्थी	20.96	रामतिल	32.69		
				सूरजमुखी	0.12		
योग अनाज	**3977.22 (100%)**	**योग दलहन**	**343.88 (90%)**	**योग तिलहनी**	**255.34 (82%)**	**महायोग**	**4704.11 (98%)**

मौसम आधारित कृषि सलाह

सामान्य

1. पीला तना छेदक के वयस्क कीट खेतों में दिखाई देनें पर अंड समूह समेत पत्ती को अलग कर नष्ट करें। जहाँ पर डेड हार्ट बना हैं उसे खीचकर अलग कर दें ताकि अंदर उपस्थित इल्ली परजीवीकृत होकर नष्ट हो जायें।
2. धान में तना छेदक कीट की निगरानी के लिए फिरोमेन ट्रेप 2-3 प्रति एकड़ का उपयोग करें एवं प्रकोप पाये जाने पर 8-10 फिरोमेन ट्रेप का उपयोग नियंत्रण के लिए करें।
3. धान की फसल में माहू एवं तनाछेदक कीटों के लिए खेत में फसल की सतत निगरानी करें।
4. जहां धान की फसल 70 प्रतिशत से ज्यादा खराब हो वहां रबी मौसम हेतु कार्य योजना बनाये तथा चना, गेहूँ, अलसी, तोरिया, मक्का, सब्जी, मूंग, उड़द, एवं चारे वाली फसल हेतु बीज, खाद एवं अन्य कृषि आदानो की उपलब्धता आवश्यकतानुसार सुनिश्चित करे एवं अक्टूबर माह में सुविधा अनुसार रबी फसल की तत्काल बुवाई करें। इस हेतु शासन से प्राप्त अनुदानों/सुविधाओं का लाभ उठाये।
5. दलहनी तिलहनी फसलों में निंदा नियंत्रण करना लाभदायक होगा।

फल एवं सब्जी

1. भटा-मिर्च टमाटर में टपक सिंचाई विधि से उर्वरक जैसे 19:19:19 का निर्धारण कर फ्रटीगेट करें।
2. गोभीवर्गीय सब्जियों के साथ साथ शलजम-गाजर हेतु उपयुक्त किस्म का चयन कर थरहा एवं बीज बोनी करें।
3. अनार, अंजीर की कटिंग कर प्रवर्धन करने का यह उपयुक्त समय हैं।
4. कद्दूवर्गीय सब्जियों विशेषकर परवल में फल सडन एवं सूखने की समस्या से बचाव हेतु खेतों में सफाई का ध्यान रखें और मेटालेक्सील + मैंन्कोजेब को 2.5 ग्राम प्रति लीटर या कापर आक्सिक्लोराइड (COC) 4 ग्राम प्रति लीटर की हिसाब से छिड़काव करें।
5. पपीते में फल झडन को रोकने हेतु 20 पी.पी.एम की दर से नैफ्थलिन एसीटीक एसीड (एन.ए.ए.) का छिड़काव करें।

पशुपालन

1. यदि गहरी बिछावन (डीप लिटर) पद्धति से मुर्गीपालन कर रहे हों तो बारिश के समय सप्ताह में दो से तीन बार बिछावन को उलट पुलट करें, सीलन युक्त बिछावन को निकालकर फेक दें।
2. सीलन से बचाव हेतु बिछावन पर 2-3 किलो प्रति वर्गफुट की दर से बुझा चूना मिला दें।
3. पशुबाड़े एवं मुर्गीघरों में दिन के समय पंखा चलाकर रखें ताकि सीलानयुक्त हवा बाहर निकलती रहे एवं उमस वाला वातावरण न हो।

आर. के .चंद्रवंशी
उप संचालक कृषि,
संचालनालय कृषि
छत्तीसगढ़ शासन, रायपुर(छ.ग)

जे.एल.चौधरी
नोडल अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

डॉ.जी.के.दास
विभागाध्यक्ष
कृषि मौसम विज्ञान विभाग,
इ.गा.कृ.वि.वि रायपुर(छ.ग)